B.A. Sanskrit
संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Skill Course for Sanskrit

सत्र- तृतीय (Semester –3)

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA-S311**	**ज्योतिष के मौलिक सिद्धान्त** **Basic Elements of Jyotisha**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A) ज्योतिष का उद्भव, विकास और शाखाएँ
खण्ड – ख (Section–B) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञाप्रकरण
खण्ड – ग (Section–C) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञाप्रकरण

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ज्योतिष के सामान्य तत्त्वों से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम में ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, विकास, विभिन्न शाखाओं का परिचय तथा ज्योतिष चन्द्रिका के पठन को समाहित किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome)

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र ज्योतिष का ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन में प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- इस पाठ्यक्रम का ज्ञान छात्रों के स्वालम्बन में सहायक सिद्ध होगा।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

ज्योतिष का उद्भव, विकास और शाखाएँ

घटक (Unit) –1 ज्योतिष का उद्भव एवं विकास
घटक (Unit) –2 (क) ज्योतिष की निम्नलिखित शाखाओं का सामान्य परिचय- सिद्धान्त, संहिता, होरा, ताजिक, प्रश्न, वास्तुशास्त्र और मुहूर्तशास्त्र।

खण्ड –ख (Section–B)

ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण

घटक (Unit) –1 (क) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक १-२९)

घटक (Unit) –2 (क) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ३०-६५)

खण्ड–ग (Section–C)

ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण

घटक (Unit)1– ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ६६-९०)

घटक (Unit) 2– ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ९१-११५)

Suggested Books/Readings:

1. रेवती रमण शर्मा, ज्योतिष चन्द्रिका।

2.अच्युतानन्द झा (अनु०), बृहत्संहिता, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी

3. शंकर बालकृष्ण दीक्षित एवं शिवनाथ झारखण्डी, भारतीय ज्योतिष,हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश लखनऊ।

4. Nincichandra Shastri, Bharatiya Jyotisa, Bharatiya Gyanpeeth, Varanasi.

5. M. Ramakrishna Bhat (Trans.), Brhatsamhita, Motilal Banarasidas. Vol-1 & 2, Delhi.

6. Deviprasad Tripathi. ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार

7. Devi Prasad Tripathi, भुवनकोश, Delhi.